लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2985

18 मार्च, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

वस्त्र उद्योग में रोजगार सृजन

2985. श्री जी. कुमार नायक:

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने वर्ष 2030 तक छह करोड़ रोजगार सृजन करने के लिए वस्त्र उद्योग में रोजगार सृजन हेतु विशिष्ट लक्ष्य निर्धारित किए हैं;

(ख) यदि हां, तो इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कार्यान्वित की जा रही रणनीति और पहलों का ब्यौरा क्या है;

(ग) सतत विकास सुनिश्चित करने के लिए वस्त्र क्षेत्र में प्रौद्योगिकी उन्नयन, निवेश और निर्यात को बढ़ावा देने के लिए क्या उपाय किए जा रहे हैं;

(घ) क्या सरकार ने वस्त्र उद्योग में विकास के लिए प्रमुख क्षेत्रों या संकुलों की पहचान की है और उनकी अवसंरचना संबंधी उत्पादकता बढ़ाने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं; और

(ङ) वस्त्र क्षेत्र में सृजित नए रोजगार अवसरों में महिलाओं और हाशिए पर पड़े समुदायों का समावेशन सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

वस्त्र राज्य मंत्री

(श्री पबित्र मार्घेरिटा)

(क) से (ग): वस्त्र उद्योग देश में रोजगार सृजन का सबसे बड़ा स्रोत है जो प्रत्यक्ष रूप से 45 मिलियन से अधिक व्यक्तियों को रोजगार देता है। भारत सरकार वस्त्र क्षेत्र में रोजगार के अवसर सृजित करने के उद्देश्य से विभिन्न योजनाएं/पहल लागू कर रही है। प्रमुख योजनाओं/पहलों में पीएम मेगा एकीकृत वस्त्र क्षेत्र एवं अपैरल (पीएम मित्र) पार्क योजना शामिल है, जिसका उद्देश्य एक आधुनिक, एकीकृत बड़े पैमाने पर, विश्व स्तरीय औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र बनाना है, जो निवेश आकर्षित करने और रोजगार को बढ़ावा देने में मदद करेगा; बड़े पैमाने पर विनिर्माण को बढ़ावा देने और प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए मानव निर्मित फाइबर और अपैरल, और तकनीकी वस्त्रों पर ध्यान केंद्रित करने वाली उत्पादन सम्बद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना; अनुसंधान नवाचार और विकास, संवर्धन और बाजार विकास, कौशल और निर्यात संवर्धन पर ध्यान केंद्रित करने वाला राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन; मांग आधारित, रोजगार उन्मुख, कौशल कार्यक्रम प्रदान करने के उद्देश्य से वस्त्र क्षेत्र में क्षमता निर्माण के लिए समर्थ-योजना; रेशम उत्पादन मूल्य श्रृंखला के व्यापक विकास के लिए सिल्क समग्र-2 और राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम शामिल हैं।

(घ) और (ङ): वस्त्र उद्योग की संपूर्ण मूल्य-श्रृंखला के लिए एकीकृत बड़े पैमाने पर और आधुनिक औद्योगिक अवसंरचना सुविधा विकसित करने के लिए, सरकार ने पीएम मित्र पार्कों की स्थापना के लिए 7 साइटों अर्थात तमिलनाडु (विरुद्धनगर), तेलंगाना (वारंगल), गुजरात (नवसारी), कर्नाटक (कलबुर्गी), मध्य प्रदेश (धार), उत्तर प्रदेश (लखनऊ) और महाराष्ट्र (अमरावती) को अंतिम रूप दिया है। इन पार्कों का उद्देश्य वस्त्र उद्योग को विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाना, बड़े निवेश को आकर्षित करना और वस्त्र क्षेत्र में महिलाओं और वंचित समुदायों सहित रोजगार सृजन को बढ़ावा देना है।

***